खालसा पंथ क संस्थापक अउर दसवां सिख गुरू गोबिंद सिंह क जयंती पर आजु प्रदेस भर के गुरूद्वारा में बिसेस अरदास अउर लंगर क कार्यक्रम आयोजित कइल गइल। लखनऊ क डीएवी कॉलेज में आयोजित भइल गुरू गोबिंद सिंह जी क प्रकाश परब में सामिल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहलें कि सिख गुरूअन क गौरवसाली इतिहास अजुओ सबके प्रेरणा दे रहल हौ। गुरू गोबिंद सिंह के सामाजिक जोगदान के यादि करत मुख्यमंत्री कहलें–

गुरु गोविंद सिंह जी खालसा पंथ की स्थापना जातिभेद को छुआछूत की भावना को सर्वथा समाप्त करने के उद्देश्य से की थी। इस देश और धर्म को बचाने के लिए की थी। सकल जगत में खालसा पंथ गाजे, जगे धर्म हिंदू सकल भंड भाजे का उद्घोष करके उस समय की विधर्मी ताकतों को उन्होंने उस रास्ते से हटाने के लिए कहा जहाँ देश और धर्म के रास्ते में बंधा।

****

महाकुंभ भव्य अउर दिव्य रूप से आयोजित करे बरे प्रदेस सरकार पुरहर इंतिजाम कइले हवे। येह इंतिजामन क समीक्षा बदे प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात अधिकारियन के साथे बइठकी कइलें। येह दौरान प्रमुख सचिव कहलें कि महाकुंभ मेला के दौरान साफ–सफाई पर खास धियान दिहले क जरूरति हौ। उहां के सज्जो डेढ़ लाख अस्थाई सौचालयन में पानी क उपलब्धता अउर ओकर रोजाना सफाई कइले क निरदेस दिहलीं। समीक्षा बइठकी में महाकुंभ मेला अधिकारी विजय किरण आनंद बतवलें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंसा के मोताबिक मेला में उचित मूल्य क दोकानों लागि गइलि हइनि। येह दोकानिनि से दस जनौरी से लोगिन के रासन उपलब्ध करावल जाई।

****

प्रयागराज महाकुंभ में पर्यटन विभाग पांच एकड़ क्षेत्रफल में उत्तर प्रदेस पवेलियन बना रहल हौ। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह बतवलें कि उत्तर प्रदेस पवेलियन दस जनौरी से सुरू हो जाई। एहमें राज्य क रामायण सर्किट अउर कृष्ण ब्रज सर्किट के सथहीं बारह गो खास सर्किट के देखावल जाई। पवेलियन में प्रदेस क सज्जो पचहत्तर जिला क ओडीओपी उत्पादो क स्टॉल लगावल जाई।

****

प्रदेस क हर जिला में अब एक गउसाला के गौ आधारित प्राकृतिक कृषि प्रसिक्षण केन्द्र बनावल जाई। पहिला फेरा में मॉडल प्रोजेक्ट के रूप में अजोध्या, गोरखपुर, बनारस, प्रयाग, वृन्दावन, लखनऊ अउर बुन्देलखण्ड में केन्द्र लगावल जाई। येह सम्बन्ध में उत्तर प्रदेस गौ सेवा आयोग क चेयरमैन श्यामधारी गुप्ता अजोध्या में मीडियाकरमियन से बतियावत कहलें–

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार हर जिले में एक गौशाला को गौ आधारित प्राकृतिक कृषि का प्रशिक्षण केंद्र बनाना है इस गौ आधारित प्राकृतिक कृषि में एक गाय या एक बेल दिन में जो पाँच, सात लीटर गौ मूत्र दस किलोग्राम गोबर देता है उससे जीवामृत , घनजीवामृत जीवाश्म पेस्टिसाइड का निर्माण होता है खेतों में कैमिकल नहीं डालना पड़ेगा।

गौसेवा आयोग क चेयरमैन बतवलें कि प्रदेस के बीस लाख किसानन के गउआधारित प्राकृतिक खेती से लाभ दियवले क लक्ष्य रक्खल गइल हौ।

****

ठंडी के मौसम में पूर्वांचल के यात्रियन के सुविधा बदे रेलवे बोर्ड गोरखपुर से दिल्ली के बिच्चे स्पेसल एक्सप्रेस ट्रेन चलावे क घोसणा कइले हवे। पूर्वोत्तर रेलवे क मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह के हिसाबि से ई स्पेसल ट्रेन गोरखपुर से छौ फरौरी से अउर दिल्ली से सात फरौरी से चलावल जाई। येह ट्रेन में वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी क दस गो अउर सयनयान श्रेणी क चारि गो के सथहीं कुलि सोरह बोगी लगावल जाई।

****

कुशीनगर जिला क कप्तानगंज चीनी मिलि पर किसानन के गन्ना मूल्य के सथहीं करीब सतहत्तर करोड़ रूपिया क बकाया के भुगतान के ले के कप्तानगंज तहसीलि प्रसासन कड़ेर रूख अपनवले हवे। उप जिलाधिकारी योगेश्वर सिंह के हिसाबि से चीनी मिल के ओरि से भुगतान नाही कइल गइले से किसानन के परसानी के देखत चीनी मिल क जमीनि अउर चल सम्पत्ति नीलाम कइले क फैसिला लिहल गइल हौ।

****

कौशाम्बी जिला क कड़ा धाम थान्हा इलाका में मां शीतला धाम के गंगा घाट पर स्नान के दौरान आजु चारि लोगि नद्दी में डूबि गइलें। एहमें से एक जने के गोताखोर सुरक्षित बहरे निकारि लिहलें। ओहके इलाज बदे अस्पताले में भरती करावल गइल हौ। नद्दी में डूबल एगो मनई क लासि बरामद कइल गइल हौ जबकि अउरियो दुइ जने क नदी में तलास चलि रहल हौ।

****

प्रदेस में मौसम क मिजाज आजु मिलल–जुलल रहल। पच्छिमी उत्तर प्रदेस के शामली अउर ओकरे लग्गे के जिलन में भिन्नहीं कुहेसा के बिच्चे जहवां हल्लुकाहे बरखा भइल त ओहीं पूरबी उत्तर प्रदेस में गोरखपुर अउर एकरे लग्गे के जिलन में भिन्नहीं कुहेसा परले के बाद दिन में घाम भइल रहे। मौसम विभाग आवे वाला दुइ दिन के दौरान प्रदेस के पूरबी जिलन में भोर के समय मध्यम से घना कुहेसा छवले रहले क अनुमान जतवले हवे।

****